RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 10 APRIL TO 16 APRIL 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 29 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

देश में क्रूड ऑयल के पहले स्ट्रैटेजिक स्टोर बनने का प्लान रेडी

Page 2

शेयर बाजार ने रचा नया इतिहास सेंसेक्स 75,000 के पार!

Page 3

भारत के कुछ राज्य 2047 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

Page 4

editoria!

बढ़ता पारिवारिक कर्ज

हमारे देश में हाल के वर्षों में पारिवारिक कर्ज में बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं है. वित्तीय सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2023 में घरेलू कर्ज अपने सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गया. सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में पारिवारिक ऋण का अनुपात 40 प्रतिशत हो गया है. साथ ही, जीडीपी में पारिवारिक बचत का अनुपात लगभग पांच प्रतिशत रह गया है, जो ऐतिहासिक रूप से सबसे कम है. उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले वर्ष सितंबर में बताया था कि परिवारों की बचत का अनुपात वित्त वर्ष 2022-23 में 5.1 प्रतिशत हो गया, जो 47 वर्षों में सबसे कम है. यह सही है कि बचत कम कर और कर्ज लेकर बहुत से लोग परिसंपत्तियां या उपभोक्ता वस्तुएं खरीदते हैं. ऐसे लोग भविष्य में अपनी आमदनी को लेकर आश्वस्त रहते हैं या उन्हें अपने निवेश से लाभ होने की आशा रहती है. लेकिन विभिन्न आंकड़ों के साथ बचत में कमी और कर्ज बढ़ने के मसले को देखें, तो चिंताजनक तस्वीर उभरती है. वित्त वर्ष 2022-23 में घरेलू कर्ज जीडीपी के 38 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया था. इससे अधिक आंकड़ा केवल 2020-21 में रहा था, जो कि महामारी की भयावह मार का साल था. हालिया रिपोर्ट में यह रेखांकित किया गया है कि घरेलू कर्ज में वृद्धि में सबसे प्रमुख हिस्सा पर्सनल लोन का है. उल्लेखनीय है कि ऐसे लोन में ब्याज की दर भी बहुत अधिक होती है. माना जाता है कि पर्सनल लोन बहुत मजबूरी में ही लोग लेते हैं. क्रेडिट कार्ड से खर्च और डिफॉल्ट में भी वृद्धि हो रही है. रिजर्व बैंक पहले ही असुरक्षित कर्जों के बारे में बैंकों को सचेत रहने की सलाह दे चुका है. हालांकि वृद्धि दर उत्साहजनक है, लेकिन आमदनी में बढ़ोतरी अपेक्षा के अनुसार नहीं है. महंगाई की वजह से भी परिवारों पर दबाव बढ़ा है. मुद्रास्फीति के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है, पर रिजर्व बैंक ने बार-बार कहा है कि यह अभी भी चिंता का कारण बना हुआ है. इसी कारण से हालिया मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती नहीं की गयी है. चूंकि आमदनी में बढ़त धीमी है, तो उसका असर उपभोग पर पड़ना स्वाभाविक है. वित्त वर्ष 2023-24 में पारिवारिक निवेश और निजी उपभोग दोनों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गयी है. यदि बचत बढ़ाने, असुरक्षित कर्ज घटाने तथा उपभोग बढ़ाने पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया, आर्थिक स्थिरता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है. आर्थिक विकास का लाभ आबादी के अधिकाधिक हिस्से तक पहुंचे. इस दिशा में ठोस प्रयासों की आवश्यकता है. बचत और कर्ज में संतुलन बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए.

सोना रु. 72,000 के करीब कहां तक जा सकती है कीमत

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मिले रहे पॉजिटिव रुझानों के बीच बुधवार को गोल्ड की कीमतें घरेलू बाजार में 72,000 रुपये के नए ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन (IBJA) के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को गोल्ड 71,832 रुपये के स्तर पर था और बुधवार को यह 71,832 रुपये प्रति दस ग्राम रहा। हालांकि स्पॉट मार्केट में गोल्ड (999) 72,048 रुपये की ऊंचाई तक पहुंच गया। इतना ही नहीं घरेलू बाजार में सिल्वर की कीमतों में तेजी का रुख जारी है। सिल्वर 368 रुपये की तेजी के साथ 82,468 रुपये के ऑलटाइम हाई पर है। जबकि मंगलवार को यह 82,100 रुपये के स्तर पर थी।

केडिया फिनाकॉर्प के प्रमुख नितिन केडिया के अनुसार अमेरिका के इनफ्लेशन डेटा को देखते हुए यह साफ है कि अमेरिकी फेड रिजर्व को अपनी प्रस्तावित ब्याज दरों में कटौतियों से पीछे हटने की जरूरत नहीं है। अमेरिका में ब्याज दरों में जून में कटौती की प्रबल संभावना के कारण गोल्ड-सिल्वर की कीमतों को मजबूती मिल रही है और आगे भी मिलेगी। केडिया के अनुसार हालांकि गोल्ड में रैली कई दिनों से है, लेकिन अमेरिका में ब्याज दरों में जून में कटौती की प्रबल संभावना के कारण गोल्ड-सिल्वर की कीमतों को मजबूती मिल रही है। इसके अलावा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों ने गोल्ड की खरीदारी बढ़ाई है। इसमें चीन का सेंट्रेल बैंक सबसे आगे रहा है। रूस-यूक्रेन तथा इजराइल-हमास के बीच जारी संघर्ष और जियो-पॉलिटिकल रिस्क के कारण भी गोल्ड-सिल्वर की कीमतों को बल मिल रहा है।

कहां तक जा सकती है कीमत

HDFC एम्ल्गिो के रिसर्च एनालिस्ट सौमिल गांधी ने कहा, 'विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से संकेत लेते हुए स्थानीय बाजारों में 24 कैरेट गोल्ड की स्पॉट कीमत नए रेकॉर्ड लेवल पर चली गई। गांधी ने कहा कि ट्रेडर्स ने मोमेंटम को आगे बढ़ाना जारी रखा है, जिससे गोल्ड की कीमतें दैनिक आधार पर नई ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसके अलावा, डॉलर इंडेक्स कम कारोबार कर रहा है और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है, जिससे सुरक्षित-संपत्ति के लिए इसे अतिरिक्त समर्थन मिला है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में इसकी कीमत 75,000 रुपये तक जा सकती है।

कोको, जूस, तेल, शुगर, चॉकलेट...
साल 2019 से 50% से ज्यादा महंगे हो चुके हैं ये 100 फूड आइटम

नई दिल्ली। एजेंसी

महंगाई से पूरी दुनिया परेशान है। खासकर साल 2019 के बाद खाने पीने की चीजें काफी महंगी हुई हैं। महंगाई पर काबू करने के लिए विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में काफी बढ़ोतरी की है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में 100 से अधिक फूड आइटम्स की कीमत 50 फीसदी से अधिक बढ़ी है। इस दौरान सबसे ज्यादा तेजी कोको की कीमत में देखने को मिली है। इसका इस्तेमाल चॉकलेट बनाने में किया जाता और इसका अधिकांश उत्पादन पश्चिम अफ्रीकी देश घाना और आइवरी कोस्ट में होता है। अल नीनो प्रभाव के कारण वहां सूखे की स्थिति पैदा हो गई है। इस वहां कोको का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। इस कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोको की कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंच चुकी है। पिछले एक महीने में ही इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो चुकी है। इससे चॉकलेट की कीमत में भी तेजी आई है। कोको की कीमत 2019 के बाद से सबसे ज्यादा 345 परसेंट बढ़ी है। इस दौरान ऑरेंज जूस की कीमत में 260 फीसदी तेजी आई है जबकि ऑलिव ऑयल यानी जैतून के तेल की कीमत 219% चढ़ गई है। चीनी की कीमत में 120%, फ्रूट स्नैक्स में 77%, कुकिंग ऑयल में 54ज्ञ, चॉकलेट बार्स में 52%, ऐपल जूस में 51%, बीफ में 51%, मियोनीज में 49%, ब्रेड में 42%, अंडों में 40%, दूध में 40%, अनाज में 38% और बटर की कीमत में 24% तेजी आई है। तीन सालों में महंगाई की दर तीन फीसदी या उससे अधिक रही है। औसत अमेरिकी को आज ग्रॉसरी के लिए 2019 की तुलना में 40% ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। 100 से अधिक फूड आइटम्स में 2019 के बाद 50 फीसदी से अधिक तेजी आई है। कई कंपनियों ने कीमतों में बदलाव नहीं किया है लेकिन फूड आइटम्स की मात्रा कम कर दी है। यानी अब आपको कम फूड के लिए बराबर पैसे देने पड़ रहे हैं।

अमेरिका पर कर्ज

अमेरिका का कर्ज आठ साल में डबल होने जा रहा है। 2017 में देश पर 20 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जिसके 2025 में 40 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। अभी अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज हर 100 दिन में एक ट्रिलियन डॉलर बढ़ रहा है। साल 2000 से इसमें करीब 500 फीसदी तेजी आई है। दिलचस्प बात है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जब देश की इकॉनमी ठीकठाक प्रदर्शन कर रही है। अगर मंदी आ गई तो फिर क्या होगा?

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में बजने लगा मेड इन इंडिया का डंका

भारतीय प्रॉडक्ट्स की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में भारतीय उत्पादों का डंका बजने लगा है। भारतीय निर्यातकों ने साल 2023 में यूरोपीय और लातिनी अमेरिकी देशों को निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की। इस दौरान रोमानिया, मोंटेनेग्रो, ऑस्ट्रिया और ग्वाटेमाला में खासतौर से भारतीय उत्पादों की मांग में काफी इजाफा देखने को मिला है। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जीवनयापन की ऊंची लागत, कमजोर बाहरी मांग और मौद्रिक सख्ती के कारण यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे बड़े बाजारों में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद 2023 में यूरोपीय संघ को भारत का वस्तुओं का निर्यात 2.1 प्रतिशत बढ़ गया। अधिकारी ने कहा, '2023 में वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई।' इस दौरान रोमानिया, चेक गणराज्य, मोंटेनेग्रो, फिनलैंड, नीदरलैंड, पुर्तगाल, लक्जमबर्ग, आइसलैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रिया जैसे यूरोपीय देशों को भारत के निर्यात में स्वस्थ वृद्धि हुई। अधिकारी ने कहा कि ये रुझान यूरोप में मौजूदा अनिश्चितताओं और मंदी के बावजूद भारत के व्यापार में जुझारूपन को दर्शाते हैं। इसी तरह, 2023 में लातिनी अमेरिकी देशों में क्यूबा, उरुग्वे, पैराग्वे, गुयाना, पेरू, मेक्सिको और ग्वाटेमाला को भारत के निर्यात में उच्च वृद्धि दर्ज की गई।

मिडिल-ईस्ट को निर्यात

अधिकारी ने कहा कि मिडिल-ईस्ट के देशों में लगातार अशांति, तेल उत्पादन में कटौती और सख्त नीतियों से वहां ग्रोथ प्रभावित हुआ है लेकिन इसके बावजूद इन देशों को भारत का एक्सपोर्ट पॉजिटिव बना हुआ है। इराक, सऊदी अरब और यूएई को पिछले साल मर्केंडाइज एक्सपोर्ट में तेजी आई है। इकनॉमिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (उऊंइ) का कहना है कि 2022 की तुलना में 2023 में भारत का एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट 2.6 फीसदी गिरा है। 2022 में यह 16,51.9 अरब डॉलर था जो 2023 में 1,609 अरब डॉलर रह गया।

मध्य पूर्व तनाव, स्थिर ओपेक उत्पादन के बीच तेल की कीमतें 90 डॉलर के करीब बढ़ीं

नई दिल्ली। एजेंसी

गुरुवार को एशियाई व्यापार में तेल की कीमतें पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, जिससे हाल के लाभ में तेजी आई, क्योंकि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक स्थिति खराब होने की संभावना ने आपूर्ति में और अधिक बाधा उत्पन्न की। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और सहयोगियों ने भी बुधवार की बैठक के दौरान उत्पादन कटौती के अपने वर्तमान बैंड को बनाए रखने के लिए मतदान किया, जिससे निकट अवधि में कच्चे तेल के लिए एक सख्त दृष्टिकोण पेश किया गया। जून में समाप्त होने वाला ब्रेंट ऑयल वायदा 0.3इ बढ़कर 89.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा 0.3इ बढ़कर 84.90 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 21:13 ईटी (01:13 जीएमटी) पर था।

मध्य पूर्व तनाव, रूसी व्यवधान से तेल की कीमतें बढ़ीं

ईरान ने दमिश्क में अपने दूतावास पर कथित इजरायली हमले के लिए जवाबी कार्रवाई की धमकी दी - जो मध्य पूर्व में बिगड़ती स्थितियों की ओर इशारा करता है। यह खतरा तब भी आया जब इज़राइल-हमास युद्ध के कम होने के बहुत कम संकेत दिखे, क्योंकि हाल ही में कई युद्धविराम प्रस्ताव विफल हो गए।

रूस-यूक्रेन मोर्चे पर, प्रमुख रूसी रिफाइनरियों पर हमलों ने मॉस्को के लिए और अधिक आपूर्ति व्यवधानों की शुरुआत कर दी। यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर कई रूसी तेल और ईंधन रिफाइनरियों ने या तो उत्पादन में कटौती की या उन्हें बंद कर दिया गया। भू-राजनीतिक कारकों के तूफ़ान ने कच्चे तेल की कीमतों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, विशेष रूप से यह देखते हुए कि अधिक आपूर्ति व्यवधान से बाजार और सख्त हो सकते हैं। चीनी अर्थव्यवस्था में सुधार से मांग परिदृश्य में सहायता मिलती है मार्च के लिए सकारात्मक क्रय प्रबंधक सूचकांक रीडिंग की एक श्रृंखला के बाद, शीर्ष आयातक चीन में आर्थिक स्थिति में सुधार से कच्चे तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई। चीनी विनिर्माण गतिविधि वापस विस्तारवादी क्षेत्र में पहुंच गई, जबकि सेवा क्षेत्र की वृद्धि में भी सुधार हुआ। लेकिन दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक को अभी भी अपनी अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए एक लंबी सड़क तय करनी है, खासकर तब जब वह अभी भी ण्ध्न्ध्उ-19 महामारी के बाद से जूझ रहा है।

मिश्रित अमेरिकी भंडार से तेल की बढ़त पर अंकुश लगा

लेकिन अमेरिकी इन्वेंट्री पर मिश्रित रीडिंग के कारण कच्चे तेल में आगे की बढ़त रुक गई, खासकर जब आधिकारिक आंकड़ों ने कुल कच्चे भंडार में अप्रत्याशित वृद्धि दिखाई। यह निर्माण तब हुआ जब अमेरिकी उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब रहा - एक प्रवृत्ति जिससे तेल बाजारों के लिए एक तंग दृष्टिकोण को कुछ हद तक कम करने की उम्मीद है। लेकिन अमेरिकी ईंधन की मांग भी सर्दियों के निचले स्तर से बढ़ती देखी गई, पिछले सप्ताह में गैसोलीन इन्वेंटरी में उम्मीद से कहीं अधिक गिरावट देखी गई। यह रुझान दुनिया के सबसे बड़े ईंधन उपभोक्ता में मजबूत मांग की ओर इशारा करता है।

लाल सागर में टेंशन पर बोले एस जयशंकर

पड़ोस में ऐसी स्थितियों को देखना भारत की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। एजेंसी

लाल सागर में चल रहे तनाव को लेकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हमारे आसपास जो भी हो रहा है, उसे देखना के भारत की जिम्मेदारी है। बता दें, लाल सागर में आए दिन शिप हाइजैक या मिसाइल अटैक की खबरें सामने सा रही है। हालांकि, इंडियन नेवी एक्टिव है और ताबड़तोड़ एक्शन भी ले रही है। इसे लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हमारे लाल सागर में इस वक्त दो चीजें हो रही हैं, जिसमें ड्रोन और मिसाइलों के जरिए जहाजों पर हमले के साथ-साथ सोमालिया के समुद्री लुटेरों का जहाज पर कब्जा करना भी शामिल है।

अहमदाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस एस जयशंकर ने कहा कि यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह पड़ोस में ऐसी स्थितियों को देखे और अन्य देशों के साथ मिलकर उनसे कैसे निपटे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का भी जिक्र किया और बताया कि समुद्री रास्तों पर इसका क्या असर हो रहा है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ गुजरात की समस्या नहीं है, बल्कि भारत या मेरी भी समस्या है। पूरी दुनिया का कहना है। इजरायल और गाजा के बीच शुरू हुए युद्ध का असर अन्य जगहों पर भी हो रहा है। लाल सागर में दो चीजें हो रही हैं- एक, कुछ शक्तियां ड्रोन और मिसाइलों के जरिए शिपिंग पर हमला कर रही हैं। दूसरा, सोमालिया में समुद्री डाकू हमला कर रहे हैं। जहाजों पर इसलिए हमले हो रहे हैं, क्योंकि वे सोचते हैं कि यह उनके लिए एक अवसर है क्योंकि दुनिया की नजर ड्रोन और मिसाइलों पर है।'

समुद्री मार्ग में हमलों का असर व्यापार परः एस जयशंकर

उन्होंने कहा कि मर्चेंट नेवी में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक हैं। किसी जहाज पर हमले की स्थिति में क्रू मेंबर के अधिकांश सदस्य भारतीय नागरिक होते हैं और भारत उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'हमारे लिए, दो चिंताएं हैं- पहला, हमारा व्यापार लाल सागर के माध्यम से होता है, स्वेज नहर के माध्यम से पश्चिमी अरब सागर के माध्यम से होता है। इसलिए, यह चिंता का विषय है क्योंकि बीमा दरें बढ़ जाती हैं और फिर स्वेज नहर के बजाए बहुत सारी शिपिंग अफ्रीका से होने लगती है, जिससे शिपिंग लागत बढ़ जाती है।'

ज्यादातर लोग हमारे हैं इसलिए यह चिंता का विषय हैः एस जयशंकर

उन्होंने आगे कहा कि दूसरा, मर्चेंट शिपिंग में हमारे नागरिक बड़ी संख्या में हैं, हम फिलीपींस के साथ या तो नंबर एक या दूसरे स्थान पर होंगे। इसलिए, यदि जहाज पर कोई हमला होता है, तो अधिकांश क्रू सदस्य वे हमारे नागरिक हैं और हम उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

देश में क्रूड ऑयल के पहले स्ट्रैटेजिक स्टोर बनने का प्लान रेडी

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक है। आत्मनिर्भरता की राह में यह उसके सामने बड़ा रोड़ा भी है। कह सकते हैं कि यह भारत की कमजोर नस भी है। अब मोदी सरकार उस कमजोर नस की सर्जरी करने की तैयारी में है। वह कच्चे तेल का अपना पहला कमर्शियल स्ट्रैटेजिक स्टोरेज बनाने की योजना बना रही है। किसी भी इमरजेंसी में सप्लाई की बाधा से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। सरकार ने देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार करने और उसके परिचालन के लिए विशेष इकाई का गठन किया है। इसका नाम इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व (ISPRL) है। इस इकाई ने कर्नाटक के पादुर में 25 लाख टन अंडरग्राउंड स्टोरेज बनाने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। टेंडर डॉक्यूमेंट से यह जानकारी मिली है।

आईएसपीआरएल ने पहले चरण में तीन स्थानों पर 53.3 लाख टन का भंडारण बनाया था। ये तीन जगह आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (13.3 लाख टन) कर्नाटक में मंगलोर (15 लाख टन) और पादुर (25 लाख टन) हैं। तेल के भंडारण के लिए ये अंडरग्राउंड चट्टानी गुफाएं हैं। दूसरे चरण के तहत आईएसपीआरएल की पादुर-दो में 5,514 करोड़ रुपये की लागत से कमर्शियल के साथ स?ट्रैटेजिक अंडरग्राउंड पेट्रोलियम रिजर्व बनाने की तैयारी है। इसमें जमीन के ऊपर संबंधित सुविधाएं भी शामिल हैं। इस निर्माण कार्य में 25 लाख टन कच्चा तेल के रणनीतिक भंडार के लिए एसपीएम (सिंगल पॉइंट मूरिंग) और संबद्ध पाइपलाइन (तट पर और अपतटीय) का निर्माण शामिल हैं।

पहले चरण के तहत भंडारण का निर्माण सरकारी खर्च पर किया गया है। आईएसपीआरएल ने टेंडर में कहा कि पादुर-दो का निर्माण पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) मॉडल में किया जाएगा। इसमें निजी इकाइयां भंडारण का डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण और परिचालन करेंगी।

टेंडर में क्या कहा गया है?

बोलीदाताओं से कहा गया है कि वे रिजर्व के निर्माण के लिए जरूरी वित्तीय अनुदान या उस प्रीमियम/शुल्क को बताएं जो वे प्राधिकरण को देना चाहते हैं। टेंडर डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि यह परियोजना उन इकाइयों को दी जाएगी जो अधिक प्रीमियम/शुल्क देंगे। जहां कोई भी बोली लगाने वाला प्रीमियम की पेशकश नहीं कर रहा है, यह सबसे कम अनुदान चाहने वाले को दी जाएगी। आईएसपीआरएल के मुताबिक, 'परियोजना के लिए अनुदान की अधिकतम सीमा 3,308 करोड़ रुपये होगी। एक बोली लगाने वाला जो अनुदान चाहता है वह कोई प्रीमियम नहीं दे सकता है।'

कब तक लगानी है बोली?

पादुर-दो का ऑपरेटर तेल भंडारण की इच्छुक किसी भी तेल कंपनी को भंडारण क्षेत्र पट्टे पर देगा और उसके लिए फीस लेगा। तेल का भंडारण करने वाली कंपनियां इसे घरेलू रिफाइनरी कंपनियों को बेच सकती हैं। लेकिन, आपात स्थिति में तेल के इस्तेमाल पर पहला अधिकार देश का होगा। दस्तावेज में कहा गया है कि बोलियां 22 अप्रैल तक जमा की जानी है। टेंडर को 27 जून तक दिया जाना है। आईएसपीआरएल पादुर-दो के लिए लगभग 215 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर रही है। भारत अपनी 85 फीसदी से अधिक कच्चे तेल जरूरतों को आयात के जरिये पूरा करता है। ऐसे में आपूर्ति में व्यवधान या युद्ध जैसी किसी भी आपातकालीन स्थिति में रणनीतिक भंडार का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

जंगल की ओर लौट रहा है हाथी... आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली। एजेंसी

आरबीआई ने रेपो रेट में लगातार सातवीं बार कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में नीतिगत ब्याज दरों को एक बार फिर यथावत रखने का फैसला किया गया है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज इस मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने महंगाई को सबसे बड़ी चुनौती बताया और कहा कि मीटिंग में इस पर सबसे ज्यादा फोकस रहा। दास ने महंगाई की तुलना हाथी से करते हुए उम्मीद जताई कि अब हाथी जंगल की ओर लौट रहा है। यानी महंगाई अब चार फीसदी के दायरे में लौट रही है।

दास ने कहा, 'सबसे बड़ी चुनौती सीपीआई महंगाई थी। यह कमरे में हाथी की तरह था। लेकिन अब यह हाथी घूमने के लिए निकल गया है और ऐसा लग रहा है कि यह जंगल की ओर लौट रहा है।' उन्होंने कहा कि महंगाई में धीरे-धीरे कमी आ रही है। हालांकि उन्होंने माना कि सर्विस प्राइस से लगातार प्रेशर बना हुआ है जिसके कारण महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। आरबीआई चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई का अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। दास ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि इस वर्ष मॉनसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जंगल में ही रहे हाथी...

पहली तिमाही में महंगाई 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। दास ने अप्रैल-जून के बीच ऊंचे तापमान के अनुमान को देखते हुए खाद्य पदार्थों की कीमतों के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत बताई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईंधन की कीमतों में कमी का असर आने वाले महीनों में महंगाई पर दिखाई देगा। हालांकि, दास ने कहा कि ऐसा लगता है कि हाथी (महंगाई) टहलने गया है और आरबीआई चाहता है कि वह जंगल में ही रहे। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के स्तर पर रखने का लक्ष्य दिया है।

जीएसटी में पहली बार, दोबारा दाखिल करने होंगे रिटर्न

इंदौर। एजेंसी

जीएसटी काउंसिल और सरकार व्यापारियों के रिटर्न में त्रुटि सुधार या संशोधन की अनुमति नहीं देती, लेकिन अब व्यापारियों को फिर से रिटर्न दाखिल करने के लिए कहा जा रहा है। जीएसटी काउंसिल की ओर से मंगलवार को ऐसी सूचना जारी की गई है। जीएसटी लागू होने के बाद सात वर्षों में यह पहला मौका है जब पहले दाखिल किए रिटर्न फिर से दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। जीएसटी नेटवर्क की गड़बड़ी और कारोबारियों के पुराने रिटर्न का डाटा आनलाइन सिस्टम में बदलने के चलते यह निर्णय लिया गया।

जीएसटी की प्रणाली में पेचीदगी और सॉफ्टवेयर की खामियों को लेकर देशभर के व्यापारी लगातार आवाज उठा रहे हैं। पहली बार जीएसटी काउंसिल को इस कमी को स्वीकार भी करना पड़ा है। काउंसिल की ओर से प्रदेश के सैकड़ों व्यापारियों के पास ई-मेल पहुंचा है कि बीते महीने में भर चुके मासिक रिटर्न फार्म (3-बी) को वे फिर से दाखिल करें।

हालांकि जीएसटी काउंसिल की ओर से सूचना दी गई है, यह रिटर्न सिर्फ उन्हीं व्यापारियों को दोबारा दाखिल करना है जिनके पास काउंसिल की ओर से इस बारे में ई-मेल पहुंचा है। पंजीकृत व्यापारी अपना-अपना ई-मेल आइडी खोल कर देंगे। जिन्हें ई-मेल प्राप्त हुआ है वे इस ई-मेल मिलने के 15 दिन के भीतर अपना रिटर्न फिर से दाखिल कर दें। साथ ही ई-मेल में संबंधित व्यवसायी को उस रिटर्न व माह की जानकारी भी दी गई है जिसे दोबारा दाखिल करना है।

जीएसटी काउंसिल के अनुसार ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है कि जीएसटी ग्रीवान्स एंड रिड्रेसल कमेटी को कई कारोबारियों में शिकायत भेजी थी। शिकायत की जांच के बाद कमेटी ने साफ्टवेयर की त्रुटि की ओर संकेत किया है। इस आधार पर दोबारा रिटर्न दाखिल करने के लिए कहा जा रहा है।

रिटर्न में बदल गए आंकड़े

जीएसटी लागू होने के बाद कई बार यह परेशानी देखी जाती रही है कि व्यापारी अपने रिटर्न में जो आंकड़े दाखिल करते हैं और सेव करने तक वहीं दिखते हैं। रिटर्न दाखिल के बाद आनलाइन पोर्टल पर जब आंकड़े अपलोड होते हैं तो वे बदल जाते हैं। इससे कई व्यापारियों को परेशानी होती है। कर सलाहकार आरएस गोयल के अनुसार कुछ व्यवसायी इस संबंध में अपने स्तर पर कसमसाकर रह जाते हैं। कुछ एक व्यापारी होते हैं जो जीएसटी काउंसिल को शिकायत करते हैं।

जीएसटी के शुरुआती वर्षों से अब तक लगातार ऐसा होता रहा है। बीते दिनों भी वास्तविक रूप से जो डाटा जीएसटी पोर्टल पर अपलोड हुआ है वह कुछ अलग ही हो गया। बहुत से व्यापारियों ने आनलाइन शिकायत दर्ज करवाकर उसका टिकट (रसीद) भी हासिल की थी। ताजा सूचना के अनुसार दोबारा रिटर्न दाखिल करने के लिए भी इन ही व्यापारियों को मौका दिया जा रहा है जिन्होंने आधिकारिक शिकायत की थी। काउंसिल ने इसकी संख्या जाहिर नहीं की है। व्यक्तिगत रूप से व्यवसायियों को ई-मेल भेजे जा रहे हैं। इनसे किसी तरह का विलंब शुल्क या पेनाल्टी आदि नहीं लिया जाएगा।

खास बात ये है कि बार-बार मांग के बावजूद जीएसटी काउंसिल व सरकार ने रिटर्न में त्रुटि सुधार व संशोधन की मांग स्वीकार नहीं की है। इसके बाद कई व्यवसायियों ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक याचिका दायर की है। इस याचिका पर भी अभी निर्णय आना लंबित है।

मार्च में महंगी हो गई शाकाहारी थाली

मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी

प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने से मार्च महीने में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर सात प्रतिशत तक महंगी हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई ने गुरुवार को यह सर्वेक्षण पेश किया। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने अपनी मासिक 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट में कहा कि पॉल्ट्री की कीमतें घटने से पिछले महीने मांसाहारी थाली की लागत में सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद आता है। इस थाली की कीमत मार्च में बढ़कर 27.3 रुपये प्रति प्लेट हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 25.5 रुपये थी। हालांकि, फरवरी के 27.4 रुपये की तुलना में मार्च में शाकाहारी थाली की कीमत घटी है।

रिपोर्ट कहती है, 'आवक कम होने और कम आधार दर के कारण प्याज का दाम सालाना आधार पर 40%, टमाटर का दाम 36% और आलू का दाम 22% बढ़ने से शाकाहारी थाली महंगी हो गई है।' रिपोर्ट के मुताबिक, कम आवक के कारण एक साल पहले की तुलना में चावल का दाम भी 14 प्रतिशत और दालों की कीमतें 22 प्रतिशत बढ़ गई हैं। वहीं मांसाहारी थाली की कीमत एक साल पहले की समान अवधि में 59.2 रुपये थी जो पिछले महीने घटकर 54.9 रुपये रह गई। लेकिन फरवरी के 54 रुपये प्रति थाली की तुलना में इसकी कीमत अब भी अधिक है।

चिकन की कीमत

दरअसल ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतों में 16% की गिरावट आने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की लागत घटी। मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर का भारांक 50% होता है। हालांकि, फरवरी की तुलना में मार्च में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने और अधिक मांग आने से ब्रॉयलर की कीमतें पांच प्रतिशत बढ़ गईं।

अब सरकारी बॉन्ड में आसानी से कर सकेंगे निवेश, RBI लाने जा रहा मोबाइल ऐप

नई दिल्ली। एजेंसी

अभी तक आम लोगों के लिए सरकारी सिक्योरिटीज (बॉन्ड्स) आदि में निवेश करना मुश्किल भरा रहता है। देश के देश में बड़े-बड़े फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट्स सरकारी बॉन्ड्स में निवेश करते हैं। इन इंस्टीट्यूट्स को एक फिक्स रिटर्न भी इससे मिलता है। अब भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) इस सेगमेंट में रिटेल इंवेस्टमेंट बढ़ाने के लिए एक मोबाइल ऐप डेवलप कर रहा है, जो आम लोगों के लिए सरकारी बॉन्ड्स में निवेश करना आसान बनाएंगे। भारतीय रिज़र्व बैंक सरकारी प्रतिभूति बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सुगम बनाने के लिए जल्द ही एक मोबाइल ऐप पेश करेगा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए यह प्रस्ताव किया। नवंबर, 2021 में पेश की गई आरबीआई की रिटेल 'डायरेक्ट स्कीम' व्यक्तिगत निवेशकों को केंद्रीय के साथ गिल्ट खाते बनाए रखने और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने की सुविधा प्रदान करती है। यह योजना निवेशकों को प्राथमिक नीलामी में प्रतिभूतियों को खरीदने के साथ-साथ एनडीएस-ओएम मंच के जरिये प्रतिभूतियों को खरीदने/बेचने में सक्षम बनाती है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस पहुंच को और सुगम तथा बेहतर बनाने के लिए रिटेल 'डायरेक्ट पोर्टल' की एक मोबाइल ऐप बनाई जा रही है। यह ऐप निवेशकों को अपनी सुविधानुसार, चलते-फिरते उपकरण खरीदने और बेचने में सक्षम बनाएगा। ऐप शीघ्र ही उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। महंगाई को चार प्रतिशत पर लाने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर को यथावत रखा गया है। यह लगातार सातवां मौका है जबकि रेपो दर में बदलाव नहीं किया गया है।

शेयर बाजार ने रचा नया इतिहास सेंसेक्स 75,000 के पार!

बुधवार, 10 अप्रैल 2024 को शेयर बाजार में तेजी का दौर जारी रहा और सेंसेक्स ने 75,038 के स्तर पर क्लोजिंग दी, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। सेंसेक्स ने न केवल 75,000 का आंकड़ा छुआ, बल्कि वीकली एक्सपायरी के दिन भी 75,000 के पार बंद हुआ। यह सेंसेक्स के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, जिसके बाद यह चर्चा गरम हो गई है कि क्या सेंसेक्स अब एक लाख का आंकड़ा भी छू सकता है?

2 जनवरी 1986 को अपनी स्थापना के बाद से 13.8% सीएजीआर रिटर्न देते हुए सेंसेक्स 75,000 तक पहुंच गया। आइए देखें कि सेंसेक्स ने अपने प्रमुख स्तरों को कब-कब हासिल किया:

100: 3 अप्रैल 1979
1,000: 23 जुलाई 1990
5,000: 30 दिसंबर 1999
10,000: 6 फरवरी 2006
25,000: 16 मई 2014
50,000: 21 जनवरी 2021
75,000: 9 अप्रैल 2024

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा होता रहता है। सेंसेक्स ने 50,000 से 75,000 तक पहुंचने में केवल तीन साल का समय लिया, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। यह देखना बाकी है कि क्या सेंसेक्स एक लाख का आंकड़ा छू पाएगा, लेकिन यह निश्चित रूप से भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह भी ध्यान दें:

2 जनवरी 1986 को अपनी स्थापना के बाद से सेंसेक्स ने 13.8% सीएजीआर रिटर्न दिया है।

सेंसेक्स ने 50,000 से 75,000 तक पहुंचने में केवल तीन साल का समय लिया।

यह देखना बाकी है कि क्या सेंसेक्स एक लाख का आंकड़ा छू पाएगा।

भारत के कुछ राज्य 2047 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। एजेंसी

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2047 तक विकसित देश बनने की राह पर है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात 2039 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले पहले राज्य बन सकते हैं। महाराष्ट्र 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखे हुए है, जबकि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु ने 2030 और कर्नाटक ने 2032 का लक्ष्य रखा है। कर्नाटक ने 2023 में उत्तर प्रदेश को पीछे छोड़ते हुए देश की तीसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था बनने का दर्जा हासिल कर लिया है।

भारत ने 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। 2028 तक, केवल 3 राज्य 0.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन पाएंगे।

राज्यों को विकसित देशों के बराबर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त करने में बहुत समय लगेगा। इस मामले में उत्तर प्रदेश और बिहार अभी भी कम आय वाले समूह में हैं। राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पंजाब को अपना प्रदर्शन सुधारना होगा। यह रिपोर्ट आशाजनक है, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह केवल एक अनुमान है। वास्तविक परिणाम कई कारकों पर निर्भर करेंगे, जिनमें राजनीतिक स्थिरता, वैश्विक आर्थिक स्थिति और राज्यों की नीतियां शामिल हैं। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होना ही सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं है। राज्यों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनकी अर्थव्यवस्था समावेशी और टिकाऊ हो। महाराष्ट्र ने 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने के लिए वित्त वर्ष 2028, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु ने 2030 और कर्नाटक ने 2032 का लक्ष्य बनाया है. हालांकि, घरेलू रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च का मानना है कि यह सभी राज्य अपनी-अपनी डेडलाइन मिस कर सकते हैं. कर्नाटक ने उत्तर प्रदेश को पीछे धकेलते हुए वित्त वर्ष 2023 में देश की तीसरी सबसे बड़ी स्टेट इकोनॉमी होने का दर्जा हासिल कर लिया है।

2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का है लक्ष्य

इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने का लक्ष्य रखा है. फिलहाल चल रही आर्थिक वृद्धि दर से 2028 तक सिर्फ 3 राज्य ही 0.5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन पाएंगे. राज्यों को विकसित देशों के बराबर प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा छूने में बहुत समय लगने वाला है. इस मामले में यूपी और बिहार फिलहाल लो इनकम ग्रुप में आते हैं. राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले छत्तीसगढ़, यूपी, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पंजाब को अपना प्रदर्शन सुधारना होगा।

बैंकों में लगातार तीसरे साल भी कर्ज से पीछे छूटी जमा राशि, परिवारों का लोन रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी

भारत के परिवार पिछले 3 साल से बैंकों से कर्ज ज्यादा ले रहे हैं और उसकी तुलना में जमा कम कर रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज 'इकोस्कोप' की 19 मार्च की रिपोर्ट से मिले आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर 2023 को समाप्त 9 महीनों के दौरान परिवारों ने सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 फीसदी के बराबर पैसे जमा किए हैं। वहीं बैंकों से लिया गया कर्ज जीडीपी के 4.9 फीसदी के बराबर है।

शोध विश्लेषकों निखिल गुप्ता और तनीषा लाढा द्वारा लिखी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 2 साल से बैंकों द्वारा दिया जा रहा कर्ज, बैंक में जमा होने वाले धन से अधिक है। इसमें कहा गया है कि इसकी वजह से भारत के परिवारों का ऋण नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में देखें तो परिवारों पर कर्ज ज्यादा है।

वित्त वर्ष 2020 के शुरुआती 9 महीनों में जहां जीडीपी के 3.3 फीसदी के बराबर धन जमा किया गया था, वहीं यह वित्त वर्ष 2023 के पहले 9 महीनों के दौरान बढ़कर जीडीपी के 4.5 फीसदी के बराबर हो गया। बैंकों द्वारा दिया गया कर्ज इस अवधि के दौरान जीडीपी के 2.9 फीसदी से बढ़कर 4.9 फीसदी हो गया है। बैंकों द्वारा दिया जाने वाला कर्ज बढ़ने की वजह से परिवारों का कुल कर्ज दिसंबर 2022 में जीडीपी के 36.9 फीसदी की तुलना में दिसंबर 2023 में जीडीपी के 40.1 फीसदी के बराबर हो गया है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है, 'परिवारों का कर्ज वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर जीडीपी का 38 फीसदी तक हो गया है, जो वित्त वर्ष 2022 में जीडीपी का 36.7 फीसदी था। यह वित्त वर्ष 2021 में जीडीपी के 39.1 फीसदी की तुलना में दूसरे स्थान पर है।

बैंकों के आंकड़ों के आधार पर हमारे अनुमान से पता चलता है कि यह दिसंबर 2023 (वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही) तिमाही में बढ़कर जीडीपी के 40 फीसदी के बराबर हो गया, जो नया उच्च स्तर है। परिवारों के कर्ज में असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण (पर्सनल लोन) में तेज वृद्धि जारी है, उसके बाद सुरक्षित ऋण, कृषि ऋण और कारोबारी ऋण का स्थान है।'

अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के परिवारों का कर्ज उनकी प्रति व्यक्ति आमदनी की तुलना में बहुत ज्यादा है। बिज़नेस स्टैंडर्ड द्वारा शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं और ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों के परिवारों पर ऋण के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जो स्विट्जरलैंड स्थित बैंक फॉर इंटरनैशनल सेटलमेंट से लिया गया था। ताजा उपलब्ध आंकड़े सितंबर 2023 तक के हैं। जर्मनी, चीन, जापान और अमेरिका में जीडीपी की तुलना में परिवारों का ऋण ज्यादा है। यह जीडीपी के 50 से 75 फीसदी के बीच है। रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका में यह जीडीपी के 20 से 35 फीसदी के बीच है। इसमें भारत मध्य श्रेणी में आता है।

मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति आमदनी किसी देश में औसत कमाई का मापक होती है। भारत में यह शीर्ष 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं या इसके ब्रिक्स के समकक्षों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम है। जर्मनी, चीन, जापान और अमेरिका में प्रति व्यक्ति जीडीपी 12,000 डॉलर से 77,000 डॉलर के बीच है। रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में प्रति व्यक्ति जीडीपी 6,000 से 16,000 डॉलर के बीच है। भारत में यह करीब 2,400 डॉलर है।

मोतीलाल ओसवाल के मुताबिक बैंकों के जमा में वृद्धि सुस्त रही है, वहीं पूंजी बाजारों में ज्यादा धन लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'पूंजी बाजार में निवेश का हिस्सा पिछले 7 साल में (वित्त वर्ष 2017 से वित्त वर्ष 2023) बढ़कर जीडीपी के 0.8 फीसदी के बराबर हो गया है, जो नोटबंदी के पहले महज 0.2 फीसदी था। यह वित्त वर्ष 2024 के शुरुआती 9 महीनों में जीडीपी का 0.7 फीसदी रहने की संभावना है।'

अपना स्वीट्स, नफीस रेस्टोरेंट और टिंकूज बने इंदौर में स्विगी पर सबसे पसंदीदा रेस्टोरेंट

स्विगी रेस्टोरेंट अवार्ड्स 2024 में शहर के विभिन्न रेस्टोरेंट्स ने जीता पुरस्कार

यूजर्स की तरफ से 29 हजार से ज्यादा वोट के साथ 26 श्रेणियों में शहर के सर्वश्रेष्ठ रेस्टोरेंट्स ने जीता स्विगी रेस्टोरेंट अवार्ड्स

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के अग्रणी ऑन-डिमांड कन्वीनियंस प्लेटफॉर्म स्विगी ने इंदौर में अपने पहले स्विगी रेस्टोरेंट अवार्ड्स 2024 के विजेताओं के नामों का एलान किया है। 26 श्रेणियों में अपनी पसंद के अनुसार शहर के यूजर्स की तरफ से 29 हजार से ज्यादा वोट के साथ इन अवार्ड्स को बड़ी सफलता मिली है। इन अवार्ड्स के माध्यम से व्यंजनों के मामले में इंदौर की समृद्ध विरासत और जीवंत खाद्य संस्कृति (वाइब्रेंट फूड कल्चर) का उत्सव मनाया गया।

बर्गर, बिरयानी, पिज्जा, मिठाई, आइस क्रीम, चाइनीज, साउथ इंडियन और नॉर्थ इंडियन समेत 26 श्रेणियों में 29,147 वोट के साथ अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों को लेकर इंदौर के लोगों का प्रेम खुलकर सामने आया। अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट्स को लेकर इंदौर के फूड लवर्स उत्साह से भरे हुए हैं।

अपना स्वीट्स को पारंपरिक भारतीय मिठाइयों एवं स्नैक्स के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया गया। ताजे इनग्रेडिएंट्स एवं अनूठे कॉम्बिनेशन के साथ तैयार होने वाले टिंकूज के सब्स एंड सैंडविचेज को भी स्वाद के दीवानों ने खूब पसंद किया। नफीस रेस्टोरेंट की बिरयानी को सबसे ज्यादा पसंद किया गया, जबकि शिवा चाइनीज वोक ने अपने व्यंजनों ने चाइनीज स्वाद के दीवानों को लुभाया।

इन अवार्ड्स के माध्यम से केवल रेस्टोरेंट्स ही नहीं इंदौर की शानदार खाद्य संस्कृति का भी उत्सव मनाया गया। इसके लिए 7,000 से ज्यादा यूजर्स ने वोट दिया।

फूड डिलीवरी की टॉप कैटेगरी में विजेता रेस्टोरेंट्स निम्नलिखित हैं:

पिज्जा: डोमिनोज पिज्जा, ला पिनोज पिज्जा, पिज्जा हट

बिरयानी: नफीस रेस्टोरेंट, बेहरूज बिरयानी, बिरयानी बाय किलो

साउथ इंडियन: रमेश साउथ इंडियन, इंडियन कॉफी हाउस, बनाना लीफ

आइस क्रीम: नैचुरल आइस क्रीम, टॉप 'एन टाउन, बस्किन रॉबिन्स – आइस क्रीम डीजर्ट्स

सब्स एंड सैंडविचेज: टिंकूज, सबवे, श्याम सैंडविच

नॉर्थ इंडियन: गुरुकृपा रेस्टोरेंट, गुरुकृपा साउथ टुकोगंज (दत्त), श्री गुरुकृपा

डाइनिंग आउट के विजेता:

डाइनिंग आउट के लिए इंदौर के टॉप रेस्टोरेंट्स में से ब्रेकफास्ट के लिए इंदौर किचन, शुद्ध शाकाहारी के लिए बनाना लीफ, इटैलियन व्यंजनों के लिए मामा लोका, लक्जरी डाइनिंग के लिए शेरटॉन ग्रैंड पैलेस इंदौर (एस कैफे), प्लेसेज विद लाइव म्यूजिक के मामले में द पियानो प्रोजेक्ट, इंस्ट्राग्राम के लिए एक्वा, मुगलई के लिए पिंड बलूची रेस्टोरेंट एंड बार, पारंपरिक भारतीय मिठाइयों के लिए अपना स्वीट्स और कैजुअल डाइनिंग के लिए रोमांटिक प्लेसेज एवं कबाब्सविले को सबसे ज्यादा पसंद किया गया।

स्विगी रेस्टोरेंट अवार्ड्स 2024 व्यंजनों के मामले में इंदौर की समृद्ध विरासत, शानदार खाद्य संस्कृति और स्वाद को लेकर दीवानगी का प्रमाण हैं। स्विगी ऐसे रेस्टोरेंट्स एवं ईटरीज को उनके योगदान के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो इंदौर की डाइनिंग एवं फूड डिलीवरी एक्सपीरियंस को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

एपल ने भारत में आईफोन का प्रोडक्शन किया दोगुना, प्रत्येक सातवां ग्फ्दहा मेड इन इंडिया

नई दिल्ली। एजेंसी

साल 2017 सेंज्ज्त भारत में आईफोन का प्रोडक्शन कर रहा है लेकिन उस समय इसका अंदाजा नहीं था कि एपल भारत में चीन से अधिक iPhones का प्रोडक्शन करेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत में एपल ने ग्फ्दहो का प्रोडक्शन दोगुना कर दिया है। ऐसे में चीन के बाद भारत एपल का दूसरा विकल्प हो गया है। पिछले साल एपल ने भारत में 14 बिलियन की कीमत के आईफोन को असेंबल किया है।

ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्येक सात में से एक आईफोन मेड इन इंडिया है यानी एपल अपने आईफोन का करीब 14 फीसदी प्रोडक्शन भारत में ही कर रहा है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि एपल चीन पर अपनी निर्भरता धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरी तरह से खत्म कर रहा है।

भारत सरकार के प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव्स (PLI) का टेक कंपनियों को काफी फायदा मिला है। एपल ने साल 2017 में भारत में आईफोन का प्रोडक्शन शुरू किया था। 10 साल पहले तक किसी ने शायद ही सोचा था कि भारत में भी आईफोन का प्रोडक्शन होगा लेकिन अब एपल अपने सबसे बड़े आईफोन मॉडल को भी भारत में ही असेंबल करता है। पीएलआई योजना का मकसद ही घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना था। इसके तहत सरकार असेंबली, परीक्षण, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) इकाइयों सहित मोबाइल फोन विनिर्माण और इसमें इस्तेमाल होने वाले पार्ट्स के लिए प्रोत्साहन देती है। इस स्कीम से आयात में कमी आएगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

निर्यात बढ़ाने की कोशिश में देसी खिलौना निर्माता, जुलाई में लगेगा प्रगति मैदान में बड़ा मेला

नई दिल्ली। एजेंसी

देसी खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मंच मुहैया कराने के उद्देश्य से द टॉयज असोसिएशन ऑफ इंडिया (ऊऊँ) प्रगति मैदान में बड़ा मेला लगाने की तैयारी में जुटा है। इसमें दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर के टॉयज मैन्युफैक्चरर्स हिस्सा लेंगे। असोसिएशन के प्रेजिडेंट और अंकित टॉयज एंड गेम्स के डायरेक्टर अजय अग्रवाल ने बताया कि 6 से 9 जुलाई के बीच प्रगति मैदान के हॉल नंबर 3 से 5 तक ग्राउंड फ्लोर पर टॉयज फेयर लगेगा। बिजनेस टू बिजनेस एग्जीबिशन में देशभर से 10 हजार होलसेलर्स, कॉरपोरेट्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और ऑनलाइन सेलर्स को बुलाने का टारगेट रखा गया है। 25 देशों से 100 से अधिक विदेशी ग्राहकों को बुलाने का लक्ष्य है। असोसिएशन की ओर से विदेशी ग्राहकों के लिए फाइव स्टार होटल में 3 रातों का कॉम्प्लिमेंट्री स्टे ऑफर किया गया है। यदि दूसरे देशों के कस्टमर्स भारत आएंगे, तो एक्सपोर्ट बढ़ेगा। सऊदी अरब और दुबई से प्रतिनिधिमंडल आएगा, जिसमें कम से कम 15 लोग होंगे।

अजय ने बताया कि भारत में अब अच्छी क्वालिटी के खिलौने बन रहे हैं। लैब टेस्टिंग में पास है। इससे एक्सपोर्ट में तेजी आई है। कोशिश है कि निर्यात को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाएं। हिन्दुस्तान को टॉयज मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाना है। प्रदर्शनी में डिजाइनर्स, टीचर्स, प्रिंसिपल्स, इंडस्ट्री से जुड़े सरकारी विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। ये पहली बार होगा कि एग्जीबिशन में 350 कंपनियां हिस्सा लेंगी। सभी देश में माल बना रही हैं। 2023 में भी जुलाई में फेयर लगा था। उसमें करीब 250 एग्जीबिटर्स ने हिस्सा लिया था। इसका रेस्पॉन्स काफी अच्छा रहा। पिछले साल के मेले में 65 विदेशी ग्राहक और 7000 से ज्यादा घरेलू खरीदार पहुंचे।

इन टॉयज का चलन बढ़ा

देसी बाजार में कार्ड बोर्ड, सॉफ्ट टॉय और वुडन टॉय का चलन बढ़ा है। अजय ने बताया कि अभी भारत में इलेक्ट्रॉनिक खिलौने का सेक्टर थोड़ा कमजोर है, जिसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा। फिर सरप्लस टॉयज को एक्सपोर्ट कर सकेंगे। सरकार की ओर से भी सहयोग मिलता है। कई तरह की स्कीम होती हैं, जिसे मेंबर को बताते हैं। एमएसएमई की ओर से स्टॉल लगाने में सब्सिडी मिलती है। इसी तरह कोई निर्माता विदेश जाकर माल दिखाना या बेचना चाहता है, तो सरकार पूरी मदद करती है।

मई-जून में बढ़ेगी इंडोर टॉयज की सेल

उत्तर भारत में मई-जून में स्कूल की छुट्टियां पड़ जाती हैं। गर्मी के मौसम में हर कोई घर में रहना पसंद करता है। ऐसे में इंडोर टॉयज की सेल बढ़ जाती है। अजय अग्रवाल ने बताया कि इंडोर गेम्स में बोर्ड गेम्स, लूडो, कैरम, शतरंज, पजल गेम, टेबल टेनिस, स्क्रैबल और यूनो की बिक्री में तेजी आती है। दीपावली और क्रिसमस पर भी खिलौनों की मांग बढ़ती है।

खिलौना मैन्युफैक्चरिंग हब

देश में दिल्ली-एनसीआर में खिलौना मैन्युफैक्चरिंग का हब है। इसके अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी खिलौने खूब बन रहे हैं।

देश और दुनिया में एग्जीबिशन का क्रेज

TTAI के सेक्रटरी गुलशन गंभीर ने बताया कि आज टॉयज एग्जीबिशन का क्रेज देश और दुनिया के खरीदारों में देखने को मिलता है। एक समय था, जब जबरदस्ती निर्माताओं को बुलाते थे। एक हॉल तक नहीं भर पाते थे। अब सरकार के सपोर्ट और बीआईएस आने से निर्माता खड़े हुए हैं। इस साल 3 हॉल लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देसी खिलौना उद्योग को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसका असर भी दिखा है। दो साल में एक्सपोर्ट बढ़ा है। 10-12 देशों की कंपनियां फेयर में आने को इच्छुक हैं। कई बड़ी विदेशी कंपनियां बाहर से माल बनवाती थीं, जो अब देसी निर्माताओं को ऑर्डर दे रही हैं। इससे भारतीय उद्यमियों के साथ व्यापारियों और कर्मचारियों को भी रोजगार मिल रहा है।

चीन के बाद हेपेटाइटिस बी और सी के सबसे ज्यादा मामले भारत में : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। एजेंसी

भारत में 2022 में हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के कुल 3.50 करोड़ मामले सामने आए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक हेपेटाइटिस बी और सी के संक्रमण की संख्या के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।

हेपेटाइटिस यकृत की सूजन होती है, जिसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं और यह जानलेवा भी हो सकती है। डब्ल्यूएचओ की ओर से मंगलवार को जारी वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट-2024 के अनुसार 2022 में दुनिया भर में 25.40 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीड़ित हुए जबकि हेपेटाइटिस सी से पीड़ित होने वाले लोगों की संख्या पांच करोड़ रही। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार भारत में 2022 में हेपेटाइटिस बी के 2.98 करोड़ मामले सामने आए जबकि हेपेटाइटिस सी से संक्रमित होने वालों की संख्या 55 लाख रही। चीन में हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों की कुल संख्या 8.3 करोड़ रही जो विश्व भर में सामने आए कुल मामलों का 27.5 प्रतिशत है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हेपेटाइटिस बी और सी के कुल 3.5 करोड़ मामले सामने आए जो दुनियाभर में सामने आए कुल मामलों का 11.6 प्रतिशत है। हेपेटाइटिस वायरस के पांच मुख्य प्रकार हैं, जिन्हें प्रकार ए, बी, सी, डी और ई कहा जाता है। हालांकि, वे सभी यकृत रोग का कारण बनते हैं, वे संचरण के तरीकों, बीमारी की गंभीरता, भौगोलिक वितरण और रोकथाम के तरीकों सहित महत्वपूर्ण तरीकों से भिन्न होते हैं।

डब्ल्यूएचओ ने मंगलवार को बताया कि विश्व में हेपेटाइटिस के कारण जान गंवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह बीमारी वैश्विक स्तर पर मौत का दूसरा प्रमुख संक्रामक कारण है। दुनिया भर में हेपेटाइटिस के संक्रमण के कारण प्रत्येक वर्ष करीब 13 लाख लोगों की मौत होती है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के 187 देशों के नए आंकड़ों से पता चलता है कि हेपेटाइटिस से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 2019 में 11 लाख से बढ़कर 2022 में 13 लाख हो गई है। इनमें से 83 प्रतिशत मौतें हेपेटाइटिस बी के कारण जबकि 17 प्रतिशत मौतें हेपेटाइटिस सी के कारण होती हैं।

डब्ल्यूएचओ ने विश्व हेपेटाइटिस शिखर सम्मेलन में जारी इस रिपोर्ट में कहा, "प्रतिदिन, हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के कारण दुनिया में 3,500 लोगों की मौत हो रही है।" डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने कहा, "यह रिपोर्ट एक परेशान करने वाली तस्वीर पेश करती है: हेपेटाइटिस संक्रमण को रोकने में विश्व स्तर पर प्रगति के बावजूद, मौतें बढ़ रही हैं क्योंकि हेपेटाइटिस से पीड़ित बहुत कम लोगों का निदान और उपचार किया जा रहा है।"

दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान विमानन कंपनी बनी IndiGo, MCap 17.605 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो बुधवार को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से साउथवेस्ट एयरलाइंस को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इंडिगो के शेयर की कीमत बुधवार को 4.73 फीसदी उछलकर 3,806 रुपये पर पहुंच गई। इस तरह से कंपनी का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 17.605 अरब डॉलर हो गया, जो साउथवेस्ट के एमकैप 17.333 अरब डॉलर से ज्यादा है। एमकैप के लिहाज से दुनिया की दो अग्रणी विमानन कंपनी हैं डेल्टा एयरलाइंस (30.442 अरब डॉलर) और रयानएयर (26.942 अरब डॉलर)। दुनिया की 10 अग्रणी विमानन कंपनियों में इंडिगो एकमात्र भारतीय कंपनी है। सिरियम के आंकड़े के मुताबिक, इंडिगो अभी हर हफ्ते 14,014 उड़ानों का परिचालन करती है। यह पिछले साल अप्रैल में परिचालित उड़ानों से 11.2 फीसदी ज्यादा है। विमानों के लिए दुनिया के दो सबसे बड़े ऑर्डर इंडिगो व एयर इंडिया ने पिछले साल दिए हैं। जून 2023 में इंडिगो ने 500 ए 320 नियो फैमिली के विमानों का ऑर्डर एयरबस को दिया था। फरवरी 2023 में एयर इंडिया समूह ने 470 विमानों का ऑर्डर दिया, जिसमें 250 एयरबस को और 220 बोइंग को दिया गया है। फरवरी में एयरबस के प्रमुख (कस्टमर अकाउंट – भारत व दक्षिण एशिया) एडवर्ड डेलाए ने कहा था कि अगले 15 साल में भारत दुनिया के विमानन के केंद्र में पहुंच सकता है क्योंकि मांग, क्षमता और प्रोफेशनलों के जरिये परिचालित विमानन कंपनियां इस देश में हैं। उन्होंने कहा, भारत के करीब 800 वाणिज्यिक विमान आसमान में परिचालित हो रहे हैं और इनमें से ज्यादातर यूरोपीय विमान निर्माता एयरबस के हैं।

दुनिया के केवल तीन देशों में है 100% रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन

भारत में 94% रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, आंकड़े में सबसे ऊपर

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया में केवल तीन देशों में 100ऽ रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन है। यानी इन देशों में ट्रेनें इलेक्ट्रिक इंजन से चलती हैं। इनमें स्विट्जरलैंड, सिंगापुर और मोनाको शामिल हैं। हालांकि इन देशों का रेल नेटवर्क बहुत छोटा है। जहां तक बड़े देशों की बात हैं तो रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन के मामले में भारत सबसे ऊपर है। भारत के पास अमेरिका, चीन और रूस के बाद दुनिया का चौथा बड़ा रेल नेटवर्क है। लेकिन रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन के मामले में भारत इन देशों से कहीं आगे हैं। भारत में 94% रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन है जबकि अमेरिका में मात्र 37 फीसदी, चीन में 67 फीसदी और रूस में 51 फीसदी रेल नेटवर्क इलेक्ट्रिक है। अमेरिका में रेल नेटवर्क 250,000 किमी, चीन में 124,000 किमी, रूस में 86,000 किमी और भारत में 68,525 किमी है। इसके बाद कनाडा (48,000 किमी), जर्मनी (43,468 किमी), ऑस्ट्रेलिया (40,000 किमी), ब्राजील (37,743 किमी), अर्जेंटीना (36,966 किमी) और साउथ अफ्रीका (31,000 किमी) का नंबर है।

वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के मुताबिक रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन में भारत के बाद बेल्जियम (82%), साउथ कोरिया (78%), नीदरलैंड (76%), जापान (75%), ऑस्ट्रिया (75%), स्वीडन (75%), नॉर्वे (68%), स्पेन (68%) और चीन (67%) का नंबर है। इटली में 65%, इथियोपिया में 64%, पोलैंड में 63%, यूरोपियन यूनियन में 56%, जर्मनी में 55%, फ्रांस में 54%, तुर्की में 48%, यूके में 37%, चेक गणराज्य में 34%, डेनमार्क में 32%, रोमानिया में 30%, ब्राजील में 30% और ईरान में 13% रेल नेटवर्क इलेक्ट्रिक है। वहीं ऑस्ट्रेलिया जैसे देश में केवल 10% रेल लाइन ही इलेक्ट्रिक है। पाकिस्तान में यह आंकड़ा चार फीसदी, मेक्सिको में तीन फीसदी, मिस्र में एक फीसदी, अमेरिका में एक फीसदी, अर्जेंटीना में 0.5 फीसदी और कनाडा में 0.2 फीसदी है।

भारत में इलेक्ट्रिफिकेशन

भारत में 61,813 किमी ब्रॉड गेज नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो चुका है जो कुल नेटवर्क का करीब 94 फीसदी है। 2014 से 2023 के बीच इस पर 43,346 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में इसके लिए 8,070 रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया गया। पिछले कैलेंडर वर्ष में 6,577 किमी रेल लाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन किया गया। रेलवे तेजी से 100% इलेक्ट्रिफिकेशन के टारगेट की तरफ बढ़ रही है। इससे रेलवे को फ्यूल बिल के रूप में सालाना 15,000 करोड़ रुपये से अधिक बचत होने की उम्मीद है। भारत ने 2070 तक नेट-जीरो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। रेलवे ने 2030 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का टारगेट रखा है।

साल 2038 तक इन राशि के लोगों पर रहेगी शनि की साढ़ेसाती

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

वैदिक ज्योतिष शास्त्र में 9 ग्रहों, 27 नक्षत्रों और 12 राशियों के आधार पर सभी तरह की ज्योतिषीय गणनाएं की जाती है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की विशेष भूमिका होती है। सभी ग्रहों में शनि ग्रह को क्रूर ग्रह माना गया है। यह व्यक्ति को उनके कर्मों के आधार पर फल प्रदान करते हैं। ज्योतिष में शनि का राशि परिवर्तन बहुत ही महत्व पूर्ण माना जाता है। शनि ग्रह सभी ग्रहों में सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं। शनि ढाई वर्षों में एक से दूसरी राशि में परिवर्तन करते हैं। इसके अलावा शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या बहुत ही कष्टकारी मानी जाती है। जिन राशियों के ऊपर शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या लगी होती है उनके जीवन में तरह-तरह की समस्याएं और दुखों का सहन करना पड़ता है। हर एक कार्य में जातक को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

ज्योतिष में शनि का महत्व

ज्योतिष में शनि ग्रह का विशेष महत्व होता है। शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह होते हैं। शनि की धीमी चाल चलने की वजह से जातकों के ऊपर इनका असर भी लंबे समय के लिए रहता है। वैदिक ज्योतिष में शनि ग्रह को सेवक, पीड़ा, तकनीक और तेल आदि का कारक ग्रह माना गया है। शनि ग्रह को दो राशियां का स्वामित्व प्राप्त है। शनि ग्रह मकर और कुंभ राशि के स्वामी ग्रह होते हैं। शनि तुला राशि में उच्च के होते हैं जबकि मेष राशि में नीच के होते हैं।

शनि की साढ़ेसाती क्या होती है

शनि की साढ़ेसाती जब लगती है तो जातकों के जीवन में साढ़े सात वर्षों तक शनि की दशा चलती है। शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह होते हैं।

यह एक राशि में करीब ढाई साल तक रहते हैं। ज्योतिष में शनि चंद्र राशि के आधार पर शनि की साढ़ेसाती की गणना की जाती है। जिस राशि पर शनि की साढ़े साती रहती है उससे अगली और बारहवें स्थान वाली राशि पर साढ़ेसाती का असर रहता है। ऐसे में इन राशि में तीन-तीन चरणों में शनि की साढ़ेसाती लगती है। इसे ही साढ़ेसाती कहते हैं। शनि की साढ़ेसाती बहुत ही कष्टकारी मानी जाती है। जातक के ऊपर साढ़ेसाती का प्रभाव होने पर व्यक्ति के कार्यों में तरह-तरह की अड़चनें आती हैं। हालांकि शनि देव व्यक्ति को कर्मों के आधार पर फल देते हैं ऐसे में जो जातक अच्छे कर्म करता है उन पर शनि देव की हमेशा कृपा बनी रहती है।

साल 2038 तक शनि की साढ़ेसाती किन-किन राशियों पर रहेगी

वर्तमान में शनि कुंभ राशि में विराजमान हैं। शनि कुंभ राशि में ढाई वर्षों तक रहने के बाद साल 2025 में मीन राशि में गोचर करेंगे। ऐसे में मेष राशि पर शनि की साढ़ेसाती का पहला चरण शुरू हो जाएगा। मीन राशि पर साढ़ेसाती का दूसरा चरण और कुंभ राशि पर आखिरी चरण होगा। आपको बता दें कि कुंभ राशि वालों के ऊपर 3 जून 2027 तक साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा फिर इसके बाद इनको मुक्ति मिलेगी।

- जब शनि का राशि परिवर्तन साल 2025 में होगा तब मेष राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती शुरू होगी जो साल 2032 तक रहेगी।

- साल 2027 में वृषभ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती का पहला चरण आरंभ हो जाएगा।

- मिथुन राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती 08 अगस्त 2029 से शुरू होगी और साल 2036 पर खत्म हो जाएगी।

- कर्क राशि के जातकों पर मई 2032 से शनि की साढ़ेसाती शुरू हो जाएगी। इस राशि पर साढ़ेसाती 22 अक्तूबर 2038 तक रहेगी।

- साल 2025 से 2038 तक कुंभ, मीन, मेष, वृषभ और कर्क राशि के ऊपर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव बना रहेगा।

इन राशियों से खत्म होगी शनि की साढ़ेसाती

वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक साल 2025 में जब शनि का राशि परिवर्तन कुंभ से मीन राशि में होगा तब मकर राशि वालों के ऊपर शनि की साढ़ेसाती खत्म हो जाएगी। इसके अलावा कर्क और वृश्चिक राशि वालों चल रही शनि की ढैय्या भी खत्म होगी।

घर के मंदिर में इन तीन मूर्तियों का होना है बहुत जरूरी, बढ़ता है मान-सम्मान

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

मंदिर में बहुत से बातों का ध्यान रखा जाता है. मंदिर नियमों का अगर सही से पालन किया जाए तो उचित फल की प्राप्ति होती है. आइये जानें नियम.

हिंदू धर्म में पूजा पाठ के लिए हम अपने मंदिर में बहुत से देवी-देवता की मूर्ति रखते हैं. लेकिन इन मूर्ति को रखने के साथ इस बात का खास ख्याल रखने की जरूरत है कि मूर्ति को कैसे रखें और किस दिशा में रखें.

मंदिर में मूर्ति नियम का पालन और दिशा नियम का पालन करना बहुत जरूरी है. इस बातों का खास ख्याल रखा जाता है.

घर में मंदिर में बैठी हुईं लक्ष्मी जी की मूर्ति होनी चाहिए. शुक्रवार को कमल पुष्प अर्पित करें. गणेश जी के दाहिने तरफ लक्ष्मी जी की मूर्ति रखें.

कुबेर देवता को धन का देवता कहा जाता है. कुबेर देव की मूर्ति का मुख उत्तर दिशा की तरफ रखें. साथ ही आपका मंदिर उत्तर पूर्व दिशा की तरफ हो तो आपके ऊपर भी धन की वर्षा होगी.

गणेश जी के आशीर्वाद से सभी काम सफल होते हैं. गणेश जी प्रथम पूज्य हैं. इसीलिए मंदिर में गणेश जी की मूर्ति जरूर रखें.

अगर ये तीन देवी-देवताओं की मूर्ति आपके मंदिर में हैं तो समझें आपका पूरा परिवार खुशहाल जीवन व्यतीत करेगा.

चैत्र नवरात्र पर करें ये चमत्कारी उपाय, पद-प्रतिष्ठा में होगी वृद्धि, खूब मिलेगा लाभ

श्रीमती नीतू मित्तल
8959760040
ज्योतिषाचार्य, इंदौर (म.प्र.)

सनातन धर्म में नवरात्र का बहुत महत्व होता है। यह त्योहार देवी दुर्गा को समर्पित माना जाता है और लोग नौ दिनों तक देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं। इस वर्ष चैत्र नवरात्र चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी 9 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। वहीं, इसका समापन रामनवमी के साथ होगा, जो 17 अप्रैल 2024 को मनाई जाएगी। माना जाता है कि सच्चे मन से मां दुर्गा की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। साथ ही देवी मां भी प्रसन्न होती हैं। चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए कुछ खास उपाय जरूर करने चाहिए।

चैत्र नवरात्र में करें ये चमत्कारी उपाय त्रिदेवियों की पूजा करें

नवरात्र के दौरान मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए उनके साथ देवी लक्ष्मी और मां सरस्वती की भी स्थापना करनी चाहिए। साथ ही त्रिदेवियों की एक साथ विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और उनके वैदिक मंत्रों का जाप भी करना चाहिए। इस तरह आपको मां आदिशक्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नौ दिनों तक रखें व्रत

नवरात्र के नौ दिनों तक व्रत रखने से माता रानी प्रसन्न होती हैं। यदि यह संभव न हो, तो पहले और आठवें दिन का व्रत करें। इससे देवी दुर्गा प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों पर कृपा बरसाती हैं, लेकिन व्रत के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि किसी को अपशब्द न कहें।

अखंड ज्योति जलाएं

मान्यता है कि नौ दिनों तक घर में मां दुर्गा के नाम का दीपक जलाना चाहिए, ऐसा करने से घर में देवी मां का वास होता है। साथ ही नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै' का जाप करना चाहिए, यह भी बहुत शुभ होता है। जो लोग व्रत रख रखे हैं और ऐसा करने में असमर्थ हैं, उनके लिए भी दुर्गा सप्तशती का पाठ बहुत लाभकारी सिद्ध होता है। ऐसा करने से घर में किसी भी चीज की कमी नहीं होती है।

चैत्र नवरात्रि पर नीम के बंधनवार के महत्व को समझें?

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ इंदौर (म.प्र.)

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के पर्व का बहुत महत्व है। चैत्र नवरात्रि के नौ दिन देवी मां की पूजा की जाती है। 9 अप्रैल 2024 से देश भर में चैत्र नवरात्रि मनाई जा रही है। ऐसा माना जाता है कि इन नौ दिनों में नीम के पेड़ पर मां दुर्गा विराजमान होती हैं। ऐसे में इन नौ दिनों में नीम के पेड़ की पूजा का विशेष महत्व है। ऐसे में नीम के पेड़ के पत्तों से बने बंधनवार भी बहुत शुभ माने जाते हैं। हम इस आर्टिकल में इसके महत्व व इसको बनाने के तरीके के बारे में बताएंगे।

नीम के बंधनवार का महत्व

नवरात्रि के नौ दिनों तक नीम के पत्तों से बने बंधनवार को घर के मुख्य दरवाजे पर बांधने की परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि बंधनवार में खुद हनुमान जी विराजित होते हैं, इसलिए पूजा से पहले बंधनवार को बांधना बहुत जरूरी है। बंधनवार को घर के मुख्यद्वार पर बांधने से पूजा पाठ में नकारात्मक शक्तियां नहीं आती हैं। घर की रक्षा हनुमान जी करते हैं, जिससे घर में सौभाग्य आता है। घर का कोई सदस्य किसी भी तरह की बीमारी से पीड़ित नहीं रहता है।

नीम के पत्तों से बंधनवार बनाने का तरीका

नीम के पत्तों को टहनी सहित तोड़ लें।

टहनी या पत्ते को गुच्छों में रख लें। आप नीम के पत्तों का 5, 7, 9 या 11 गुच्छा बनाकर रख लें।

उसके बाद घर मुख्य द्वार के नाम के हिसाब से धागे में सभी गुच्छों को 4-5 इंच की दूरी पर बांधे।

फिर उसको बांधने के बाद इसको साफ बर्तन में रख पूजा करें।

पूजा करते समय हनुमान जी से प्रार्थना करें। उनसे कहें कि वह बंधनवार में विराजित हों।

पूजा के बाद बंधनवार को आप घर के मुख्य द्वार पर बांध सकते हैं।

सैमसंग ने एआई क्षमताओं वाले बेस्पोक घरेलू उपकरणों की पूरी सीरीज का खुलासा किया

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज बेस्पोक अप्लाएंसेज (उपकरणों) का प्रदर्शन किया। ये उपकरण एआई संचालित हैं, जो कनेक्टेड और पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल घरों के भविष्य की आवश्यकताओं को सामने रखते हैं। एआई-संचालित घरेलू उपकरणों के साथ, सैमसंग का लक्ष्य तेजी से बढ़ते प्रीमियम उपकरण बाजार में ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करना है।

इनबिल्ट वाई-फाई, आंतरिक कैमरे और एआई चिप्स के साथ, बेस्पोक एआई की विशेषता वाले सैमसंग के ये नए उपकरण स्मार्टथिंग्स एप्लिकेशन के माध्यम से आसान पहुंच नियंत्रण के साथ सहजता से कनेक्ट होते हैं और आसानी से घरों का प्रबंधन करने में मदद करते हैं।

सैमसंग दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'हम बेस्पोक एआई पेश कर रहे हैं, जो घरेलू उपकरणों में हमारा अगला बड़ा इनोवेशन है। यह भारतीय घरों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करते हुए ऊर्जा की खपत को कम करेगा, जो हमारे ग्रह को हरा भरा बनाने में योगदान देगा। हमारे बेस्पोक एआई-संचालित घरेलू उपकरणों के साथ, उपभोक्ता अपनी पसंद के मुताबिक बदलाव करने, बुजुर्गों और बच्चों के लिए आसान कंट्रोल सुनिश्चित करने और अपने घरेलू उपकरणों की आसाना जांच में सक्षम होंगे। एआई की बदलाव लाने वाली ताकत के साथ, हमें विश्वास है कि बेस्पोक एआई भारत में डिजिटल उपकरणों के बाजार में हमारे नेतृत्व को और अधिक मजबूती देगा।'

एआई इन उपकरणों को लंबे समय तक चलने में मददगार बनाने और स्थिरता को बढ़ाने में भी मदद करता है। जब उनके रेफ्रिजरेटर को पानी फिल्टर बदलने की आवश्यकता होती है या एयर कंडीशनर को फिल्टर बदलने की आवश्यकता होती है तो यूजर्स को स्मार्टथिंग्स एप के माध्यम से सूचित किया जाता है। एआई की शुरूआत के साथ, सैमसंग का लक्ष्य इन उपकरणों को प्रबंधित करने में लगने वाले समय को कम करना है। 'बेस्पोक एआई' इवेंट सैमसंग बीकेसी के जियो वर्ल्ड प्लाजा में आयोजित किया गया था।

सैमसंग इंडिया के डिजिटल उपकरण के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया ने कहा, 'एआई के साथ, उपकरण अब अधिक स्मार्ट हो सकते हैं, और घरेलू कामों में लगने वाले यूजर्स के समय और ऊर्जा को कम करने में मदद कर सकते हैं। उन्नत कनेक्टिविटी और एआई क्षमताओं के माध्यम से, ये उपकरण स्मार्ट होम अनुभव में क्रांति लाकर उपभोक्ता अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाते हैं। एआई उपकरणों के साथ, हमारा उद्देश्य अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो को और मजबूत करना और प्रीमियम उपकरण खंड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना है।' भारत में रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव और वॉशिंग मशीन सहित सैमसंग के विशेष उपकरण अब एआई द्वारा संचालित हैं।

इंडिगो का विशेष ऑफर

इंदौर से चयनित मार्गों का किराया केवल 1,799/- रुपये के शुरुआती मूल्य में पेश किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की पसंदीदा कैरियर, इंडिगो ने आज इंदौर से 11 मार्गों के लिए विशेष एक-तरफा किरायों की घोषणा की। इस ऑफर में इंदौर से नासिक, जोधपुर, जबलपुर, नागपुर, सूरत, वाराणसी, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, शिरडी और उदयपुर की उड़ान केवल 1,799/- रुपये (30 दिन पहले बुक करने पर) के ऑल-इंक्लूसिव मूल्य में बुक की जा सकेगी। यह एक सीमित समय का ऑफर है, जो 04 अप्रैल, 2024 से 11 अप्रैल, 2024 तक उपलब्ध होगा। यह ऑफर 30 सितंबर, 2024 तक की उड़ानों के लिए लागू होगा। ग्राहक इस अवधि में यात्रा करने के लिए इन कम किरायों का लाभ उठा सकेंगे। इस ऑफर से हवाई यात्रा की पहुँच का दायरा बढ़ाने का इंडिगो का समर्पण प्रदर्शित होता है। इन ऑफरों से अपने विस्तृत नेटवर्क में किफायती किराए, ऑन-टाइम परफ़ॉर्मेंस, विनम्र और सुगम सेवाएं प्रदान करने की इंडिगो की प्रतिबद्धता को भी बल मिला है। इंडिगो अपने ग्राहकों को यादगार क्षण प्रदान करके और उनके साथ अपने संबंध मजबूत बनाने के लक्ष्य के साथ उद्योग में नए मानक स्थापित करने, ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने और यात्रा का अतुलनीय अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन ऑफरों के बारे में ज्यादा जानकारी और इन शानदार ऑफरों का लाभ उठाने के लिए, कृपया इंडिगो की वेबसाइट पर जाएं या इंडिगो मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने बड़ी टैंक क्षमता वाले एयर कूलर्स लॉन्च किए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड जो कि 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विविधीकृत सीके बिरला ग्रुप का अंग है, ने डेज़र्ट और कॉमर्शियल कैटेगरीज़ में बड़े टैंक वाले नए मॉडल्स को लॉन्च करके एयर कूलर की अपनी पहले से ही व्यापक रेंज का विस्तार किया है। बड़ी टैंक क्षमताओं, उन्नत सुविधाओं और बेहतर प्रदर्शन वाले ये कूलर बड़ी जगहों की कूलिंग के लिए एक आदर्श विकल्प हैं। कंपनी का इस सीज़न में एयर कूलर्स की कैटेगरी में डबल डिजिट ग्रोथ हासिल करने का लक्ष्य है।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड के बिज़नेस हेड - ईसीडी, गौरव धवन ने कहा, 'चूंकि मौसम विशेषज्ञों ने इस गर्मी के सीज़न में सामान्य से अधिक तापमान रहने का पूर्वानुमान लगाया है और तेज़ लू चलने की संभावना जताई है, हम एयर कूलर्स की मांग में काफी वृद्धि होने की उम्मीद कर रहे हैं। आज हम इस सेगमेंट में देश में सबसे ज्यादा बिकने वाले ब्रांड्स में से एक हैं, और हमारे पास उपभोक्ताओं की हर ज़रूरत को पूरा करने के लिए विभिन्न आकार, साइज़, क्षमता और मटीरियल में एयर कूलर्स की एक व्यापक रेंज है। हमारी रेंज में 60 से अधिक मॉडल शामिल हैं जिनमें आईओटी-सक्षम और आवाज़ से नियंत्रित होने वाले एयर कूलर, मेटल-बॉडी वाले एयर कूलर और बिजली बचाने वाले इन्वर्टर एयर कूलर शामिल हैं। हमने हमेशा उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को समझने और उनका समाधान करने पर ध्यान दिया है। हमारे नए बड़े टैंक वाले एयर कूलर्स अत्यधिक गर्मी झेलने वाले इलाके, जैसेकि मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। अपनी कूलर्स की विशाल रेंज और अनुकूल मौसम के पूर्वानुमान के चलते हुए, हम एक अच्छे सीज़न की उम्मीद कर रहे हैं।'

लॉन्च किए गए कुछ नए मॉडल्स में डेज़र्ट कूलर कैटेगरी में स्मार्टचिल 125 लीटर, अवांते 105 लीटर और टाइटन 100 लीटर हैं, और कॉमर्शियल कूलर कैटेगरी में मैक्सोचिल 100 लीटर शामिल हैं।

एथर एनर्जी ने कम्युनिटी डे के अवसर पर अपना फैमिली स्कूटर रिज़्टा लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी ने आज बेंगलुरु में दूसरे एथर कम्युनिटी डे के अवसर पर अपना फैमिली स्कूटर, रिज़्टा लॉन्च किया। रिज़्टा परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन और इंजीनियर किया गया है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर आराम, सुविधा और सुरक्षा को सबसे ज्यादा महत्व देता है। राइडिंग का अनुभव बेहतर बनाने के लिए इसमें कई नए कनेक्टेड फीचर्स दिए गए हैं। इसमें डैशबोर्ड में स्किडकंट्रोलरू और व्हाट्सएप जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं। बाजार में बढ़त बनाने के लिए रिज़्टा को काफी प्रतिस्पर्धी शुरुआती मूल्य 1,09,999 (एक्स-शोरूम बेंगलुरु) में लॉन्च किया गया है।

ऑल-न्यू रिज़्टा 2 मॉडल और तीन वैरिएंट में आएगा। इसका 2.9 kWh बैटरी के साथ रिज़्टा एस और रिज़्टा जेड मॉडल होगा और 3.7 kWh बैटरी के साथ टॉप-एंड मॉडल रिज़्टा जेड होगा। 2.9 kWh वैरिएंट से 123 किमी की और 3.7 kWh वैरिएंट से 160 किमी अनुमानित आईडीसी रेंज मिलेगी। एथर रिज़्टा एस 3 मोनोटोन रंगों में और रिज़्टा जेड 7 रंगों में उपलब्ध होगा, जिनमें 3 मोनोटोन और 4 ड्युअल टोन रंग शामिल हैं।

एथर एनर्जी के को-फाउंडर एवं सीईओ, तरुण मेहता ने कहा, 'हमने टू-व्हीलर बाजार में प्रवेश अपने परफ़ॉर्मेंस स्कूटर, 450 सीरीज़ के साथ किया था, जिसने पूरे उद्योग में पहचान बनाई। अब हम रिज़्टा के साथ फैमिली स्कूटर के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर भारतीय परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन और इंजीनियर किया गया है। इसमें आराम, सुरक्षा और कनेक्टेड टेक जैसी मुख्य विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। हमारा मानना है कि रिज़्टा अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण पारंपरिक स्कूटरों से ज्यादा आधुनिक है। रिज़्टा से एथर का गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सुरक्षा का प्रस्ताव प्रतिबिंबित होगा।'

शक्ति पंप्स ने क्यूआईपी से 200 करोड़ रुपये अर्जित किये

पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में सोलर पंप और मोटर बनाने वाली विश्व की अग्रणी कम्पनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) से सफलतापूर्वक 200 करोड़ रुपये अर्जित किये ।

क्यूआईपी इश्यू में निवेशकों ने काफी रूचि दिखाई और इसे दो बड़े म्यूचुअल फंड - एलआईसी म्यूचुअल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा पूरी तरह से सब्सक्राइब कर लिया गया। इन बड़े फंड हाउस द्वारा किया गया यह निवेश सोलर पंप्स उद्योग की विकास क्षमता और उद्योग में शक्ति पंप्स की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। सोलर पंप उद्योग में विकास की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, क्यूआईपी से अर्जित किये गए धन का एक बड़ा हिस्सा रणनीतिक रूप से पंप/मोटर, इनवर्टर/वीएफडी और स्ट्रक्चर्स की क्षमता बढ़ाने में लगाया जाएगा। सरकार के नेतृत्व वाली पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से पंप्स उद्योग के लिए आने वाले समय में बहुत बड़े अवसर हैं क्योंकि अनुमान है कि कंपोनेंट-बी (ऑफ ग्रिड पंप) के तहत 14 लाख से अधिक सोलर पंप्स और कंपोनेंट- सी (ऑन ग्रिड पंप) के तहत 35 लाख सोलर पंप्स लगाए जाने हैं।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन श्री दिनेश पाटीदार जी ने कहा,'इस इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के सफलतापूर्वक पूरा होने और इन प्रतिष्ठित निवेशकों द्वारा हम पर जताए गए विश्वास से हम बहुत खुश हैं, जो नए आयामों तक पहुँचने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।' शक्ति पंप्स को लगातार नए ऑर्डर मिल रहे हैं, 31 दिसंबर 2023 तक हमारे 2050 करोड़ रुपये के ऑर्डर बुक में है, जिसे अगले दो वर्षों में पूरा किया जाना है। शक्ति पंप्स की ऑर्डर बुक में कुछ राज्यों से दोबारा मिलने वाले ऑर्डर भी शामिल हैं जो शक्ति पंप्स के उत्पादों की गुणवत्ता और किसानों के भरोसे को दर्शाता है।

श्री दिनेश पाटीदार जी ने कहा कि हम भविष्य में आर्डर में तेजी की उम्मीद करते है और हम विकास के अवसरों को भुनाने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इस फंड को जुटाने के साथ, हमारी बैलेंस शीट मजबूत स्थिति में है और हम अपनी मार्केट उपस्थिति को बेहतर बनाने के साथ आने वाले समय में लगातार मजबूत परिणाम देने के लिए तात्पर्य है ।'

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी M55 5G, गैलेक्सी M15 5G लॉन्च किया

गुरुग्राम। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज दो शानदार डिवाइस, गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G को लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें कई सेगमेंट में अग्रणी फीचर्स मौजूद हैं। बेहद लोकप्रिय गैलेक्सी M सीरीज़ में शामिल किए गए ये नए स्मार्टफोन यूजर्स को सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, शानदार बैटरी और शक्तिशाली प्रोसेसर के साथ स्मार्टफोन का एक बेहतर अनुभव देते हैं।

इस मौके पर सैमसंग इंडिया के एमएक्स डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा 'सैमसंग की सोच के मुताबिक, हम नए गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G के साथ इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे दो शानदार डिवाइस जो युवा उपभोक्ताओं के अंतहीन जुनून को शक्ति देने के लिए तैयार हैं। सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, स्टाइलिश स्लीक डिज़ाइन, शक्तिशाली स्नैपड्रैगन प्रोसेसर और चार जेनरेशन के ओएस अपग्रेड और पांच साल के सिक्योरिटी अपडेट के बेजोड़ वादे सहित कई सेगमेंट-अग्रणी फीचर्स के साथ, हम गैलेक्सी M55 5G और गैलेक्सी M15 5G के जरिए ग्राहकों को एक बेहतरीन अनुभव देंगे।''

संस्कार इतने मजबूत होने चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति एक संगठन बन सके

युवाओं को इंटरप्रेनरशिप से जोडना जरूरी- बंसल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत विकास परिषद अहिल्या नगरी शाखा, इंदौर, नवीन सत्र 2024-25 की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों का दायित्व ग्रहण स्थानीय जाल सभागृह में एक गरिमामय समारोह में इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के अध्यक्ष श्री सचिन बंसल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विशेष अतिथि के रूप में विनर्स इंस्टीट्यूट के फाउंडर आदित्य पटेल उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव विजय नामदेव ने की।

निवृतमान अध्यक्ष श्रीमती प्रीती राकेश धनौते और सचिव अजय शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए संजय सूर्यवंशी अध्यक्ष और भरत नागर सचिव मनोनीत हुए हैं। इनका साथ देने के लिए उपाध्यक्ष द्वय श्रीमती सपना लखोटिया और सीमा माहेश्वरी के साथ सह सचिव जितेंद्र राठी, कोषाध्यक्ष महेंद्र पंवार और प्रचार प्रमुख की भूमिका में राजकुमार जैन रहेंगे। 13 सदस्यीय कार्यकारिणी में प्रदीप धनोतिया, दिलीप सोनी, दीपक बाहेती, अजय शर्मा, विपिन जैन, आशीष गर्ग, योगेश केवड़ा, शिवकुमार गुप्ता, नीरज मित्तल, राजेंद्र आर्य, अनुराधा ठक्कर, हेमंत राठौर और अभिषेक सिंह रहेंगे। संपर्क प्रमुख का दायित्व इस वर्ष राकेश बामोरिया निबाहेंगे। महिला संकाय प्रमुख श्रीमती रश्मि शर्मा और उप प्रमुख श्रीमती संध्या पोरवाल रहेंगी। परिषद द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सेवा गतिविधियों के प्रकल्पों में संदीप नागर चिकित्सा, किशोर कोठरी पर्यावरण, भूषण सूर्यवंशी शिक्षा, गौरव दरक संस्कार, पंकज राठौर जल सेवा और जी पी गोयन मानव सेवा प्रकल्प का दायित्व निर्वहन करेंगे।

कार्यक्रम का आरंभ प्रीती धनोते द्वारा नव वर्ष के स्वागत में गीत गाकर किया गया, तत्पश्चात, सदस्यों द्वारा श्रीमती ज्योति जैन के नेतृत्व में संगीतमय राष्ट्र भक्ति नाट्य 'ले चलें हम राष्ट्र नौका को भंवर से पार कर' की प्रस्तुति दी गई। सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों और अतिथियों द्वारा प्रज्वलित दीपक हाथ में लेकर लयबद्ध रूप से लहराकर एक अदभुत ध्वनि प्रकाश कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। दायित्व ग्रहण समारोह की विधिवत शुरुआत राजेंद्र मंत्री द्वारा वंदे मातरम की प्रस्तुति द्वारा की गई। मुख्य अतिथि सचिन बंसल का स्वागत वीनस वाणी, आदित्य पटेल का स्वागत संजय मेहता एवं विजय नामदेव का स्वागत राधाकृष्ण भटोरे द्वारा श्रीफल और रूमाल से किया गया। निवृतमान अध्यक्ष प्रीती धनोते द्वारा बीते वर्ष का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया और अपनी उपलब्धियों के बारे में बताया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रांतीय महा सचिव विजय नामदेव ने कहा कि हम सब अपने आप में एक सशक्त संगठन हैं। शपथ एक संकल्प है, एक विचार है, एक भाव है जिसको लेकर व्यक्ति संगठन से और उससे आगे बढ़कर राष्ट्र से जुड़ जाता है। विशेष अतिथि आदित्य पटेल ने भारतीय संस्कारों पर चर्चा करते हुए नमस्कार की महत्ता बताते हुए कहा कि जब आप किसी को नमस्कार करते है तो आप कहते हैं कि मैं आपके अंदर बसे हुए ईश्वर को नमन करता हूं। मुख्य अतिथि सचिन बंसल ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि नवायुवको का कैरियर मार्गदर्शन करना बहुत जरूरी है, उनके उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें इंटरप्रेनरशिप का प्रशिक्षण देना चाहिए। उन्होनें युवाओं को सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों से जुड कर आगे बढने की बात भी कही। कार्यक्रम के दौरान टू सेज फाउंडेशन द्वारा एक अभियान के तहत गर्मियों में पक्षियों के लिए दाना-पानी हेतु सकोरों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन भरत नागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन . ज्योति जैन ने किया गया।

फोनपे के शेयर.मार्कैट ने इंटेलिजेंस पर फोकस के साथ फ्यूचर्स और ऑप्शंस सेगमेंट पेश किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

शेयर.मार्केट, फोनपे का प्रॉडक्ट है, जिसने आज अपने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O) सेगमेंट के लॉन्च की घोषणा की है। इस नए सेगमेंट की मदद से, ट्रेडर्स को कॉम्प्रेहेंसिव ट्रेडिंग टूल और संसाधनों से बेहतर सुविधाएँ देने में प्लेटफॉर्म के मिशन में बड़ी उपलब्धि है। यह, इंटेलिजेंस लेयर पर पूरा ध्यान देने के साथ-साथ ट्रेडिंग के अनुभव को बेहतर बनाएगा। बिजनेस लांच करने के सात महीनों के भीतर, शेयर.मार्केट के अब तक कुल 1.55M से ज़्यादा लाइफटाइम ग्राहक हैं और इस पर हर महीने 1.4M एक्टिव श्इ एघ्झ लेनदेन किए जाते हैं। इसके अलावा, शेयर.मार्केट ने 75,000 से ज़्यादा (दैनिक ऐप इंगेजमेंट) यूजर और 1.5L डीमैट खातों को इंटेलिजेंस की सुविधा दी है।

शेयर.मार्केट पर F&O का विकल्प चालू करने से, कॉम्प्रिहेंसिव ऑप्शन चेन ऐनलिसेस के साथ प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सुविधाएँ भी बढ़ जाती हैं। फ्यूचर और ऑप्शन कॉन्ट्रेक्ट कई इंडिसिस और स्टॉक्स में निवेशक और ट्रेडर को प्रभावशाली पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के ज़रिए जोखिम से बचाता है, हेज पॉजिशन रखता है, और पूरी रिटर्न प्रोफ़ाइल को बेहतर बनाता है। बेहतर इंटेलिजेंस उपलब्ध कराने के लिए, असरदार मनी मैनेजमेंट के साथ ग्रीक के मुताबिक ट्रेडर के हिसाब से बनाए गए डेटा पॉइंट और रणनीति बनाने की सुविधा भी दी जाएगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।